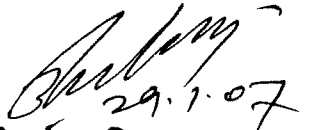




डॉ. अर्जुन गणपति चव्हाण,  
एम्.ए., बी.एड., पीएच.डी.  
अध्यक्ष,  
हिंदी विभाग,  
शिवाजी विश्वविद्यालय,  
कोल्हापुर - 416 004

## संस्तुति

मैं संस्तुति करता हूँ कि कु. रूपाली धनंजय चव्हाण द्वारा प्रस्तुत “शंकर पुणतांबेकर के एकांकियों में हास्य-व्यंग्य” (‘बचाओ, मुझे डाक्टरों से बचाओ’ एकांकी संग्रह के संदर्भ में) यह लघु शोध-प्रबंध परीक्षणार्थ अग्रेषित किया जाए।

  
(डॉ. अर्जुन गणपति चव्हाण)

अध्यक्ष, हिंदी विभाग,  
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर।

**Head**  
Dept. of Hindi,  
Shivaji University  
Kolhapur-416004

स्थान - कोल्हापुर

दिनांक - 29 JAN 2007

डॉ. मोहन पुंडलिक जाधव

एम्.ए. (हिंदी), एम्.ए. (मराठी), बी.एड., पीएच्.डी.

अधिव्याख्याता, हिंदी विभाग,

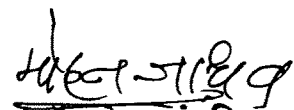
छत्रपति शिवाजी कॉलेज,

सातारा - 415 001

## प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु. रुपाली धनंजय चव्हाण ने शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम्.फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए “शंकर पुणतांबेकर के एकांकियों में हास्य-व्यंग्य” (‘बचाओ, मुझे डाक्टरों से बचाओ’ एकांकी संग्रह के संदर्भ में) लघु शोध-प्रबंध मेरे निर्देशन में पूरे परिश्रम के साथ लिखा है। यह शोधार्थी की मौलिक रचना है। पूर्वयोजना के अनुसार संपन्न इस कार्य में शोधार्थी ने मेरे सुझावों का आद्यंत पालन किया है। जो तथ्य इस लघु शोध-प्रबंध में प्रस्तुत किए गए हैं, मेरी जानकारी के अनुसार सही हैं। यह रचना इससे पहले शिवाजी विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय की किसी भी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है। प्रस्तुत शोध-कार्य से मैं पूरी तरह संतुष्ट होकर ही इसे परीक्षणार्थ प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान करता हूँ।

शोध-निर्देशक



(डॉ. मोहन पुंडलिक जाधव)

स्थान - सातारा

दिनांक - 29 JAN 2007

## प्रख्यापन

“शंकर पुणतांबेकर के एकांकियों में हास्य-व्यंग्य” (‘बचाओ, मुझे डाक्टरों से बचाओ’ एकांकी संग्रह के संदर्भ में) लघु शोध-प्रबंध मेरी मौलिक रचना है, जो शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम्.फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए प्रस्तुत की जा रही है। यह रचना इससे पहले शिवाजी विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय की किसी भी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

शोध-छात्रा



(कु. रुपाली धनंजय चव्हाण)

स्थान - कोल्हापुर

दिनांक - 29 JAN 2007